• मोहनलाल और मीरमदान, सिराजुद्दौला के पक्ष से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।
• मीरजाफर के पुत्र मीरन ने सिराजुद्दौला की हत्या कर दी।

"**प्रभाव**"

• कम्पनी अपने षड्यन्त्र में सफल हुई और प्लासी के इस षड्यन्त्र की सफलता के साथ बंगाल की लूट और शोषण के अध्याय की शुरुआत हुई।
• मीरजाफर को क्लाइव ने कठपुतली नवाब बना बंगाल का दोहन प्रारम्भ किया।
• क्लाइव ने द्वैध शासन की स्थापना कर राजस्व और दीवानी कम्पनी के नियंत्रण में ली और फौजदारी शासन के लिये बंगाल में मुहम्मद रजा खाँ को और बिहार में शिताब राय को प्रतिनिधि नियुक्त किया।
• बंगाल पर इस अप्रत्यक्ष शासन की स्थापना से कम्पनी को सबसे बड़ा लाभ ये हुआ कि अभी तक व्यापार करने के लिये जो धन वो इंग्लैण्ड से लाती थी, वही उसे अब यहाँ राजस्व के रूप में प्राप्त होने लगा।
• इस धन ने उसे अन्य यूरोपीय कम्पनियों पर निर्णायक श्रेष्ठता प्रदान की और बढ़ते आर्थिक लाभ के साथ कम्पनी की आगामी विजयों और साम्राज्यिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया।